Seat No. : _____

FB-101(H)

February-2025

B.Com., Sem.-I (NEP)

Major-DSC-C-112A : Financial Accounting-II

Time : 2:00 Hours] **[Max. Marks : 50**

(Hindi Version)

1. अहमदाबाद के हिरेन ने नडियाद के अपने एजेन्ट धीरेन को ₹ 120 प्रत्येक के मूल्य पर 1,000 घड़ियाँ प्रेषित की । बीजक कीमत पर 25% लाभ जोड़कर बीजक कीमत निश्चित की गई । हिरेन ने ₹ 1,500 बीमा, ₹ 300 भाड़ा और ₹ 1,200 किराया सामान भेजने के लिए खर्च किया । **10**

1-7-2023 को हिरेन ने धीरेन को 3 माह की मुद्दत का ₹ 30,000 का बिल भेजा जिसे उसने तुरन्त स्वीकार करके वापिस भेज दिया । हिरेन ने 4-8-2023 को 18% प्रति वर्ष के बट्टे पर बैंक से बिल बटा लिया । धीरेन 4% सामान्य कमीशन, 2% प्रत्यायक कमीशन और लाभ में 1/6 भाग का हकदार है ।

31-3-24 को धीरेन ने विक्रय का खाता और देय राशि का बैंक ड्राफ्ट भेज दिया । विक्रय खाते के अनुसार :

(1) उसने ₹ 3,000 किराया और माल छुड़ाने का तथा ₹ 2,795 विज्ञापन का खर्च किया ।

(2) उसने 25 घड़ियाँ अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए प्रत्येक ₹ 180 में खरीदी ।

(3) उसने 175 घड़ियाँ नकद ₹ 180 प्रत्येक पर बेची ।

(4) उसने हिरेन के अनुमोदन पर नरेश को ₹ 190 प्रत्येक पर 100 घड़ियाँ बेची ।

(5) उसने महेश को ₹ 200 प्रत्येक पर 600 घड़ियाँ उधार बेची ।

(6) वर्ष के दौरान धीरेन की दुकान में आग लग गई और 20 घड़ियाँ जल गईं जिसका ₹ 1,800 का दावा बीमा कंपनी ने स्वीकार किया ।

(7) महेश और नरेश दोनों दिवालिया घोषित हो गए और अंतिम डिविडेन्ड के तौर पर ₹ 1 में 60 पैसे प्राप्त किए जा सके ।

(8) अविक्रित घड़ियों में से, 5 घड़ियाँ टूटी हालत में थी और उन्हें बेचने लायक बनाने के लिए मरम्मत पर ₹ 225 खर्च होने का अनुमान था ।

उपरोक्त विवरण से हिरेन की पुस्तकों में तैयार कीजिए :

(i) आढ़त माल खाता

(ii) आढ़तिया खाता

अथवा

1. (A) सामान्य कमीशन और प्रत्यायक कमीशन को समझाइये । **5**

(B) आढ़तिया व्यापार में विक्रय के निम्न विवरण हैं : **5**

नकद विक्रय : ₹ 1,00,000

उधार विक्रय ₹ 3,00,000 (आढ़तिये के अनुमोदन पर सोनू को ₹ 50,000 का उधार विक्रय शामिल है)

सोनू दिवालिया घोषित हुआ और ₹ 1 में केवल 80 पैसे प्राप्त किए जा सके । बाकी के उधार विक्रय से ₹ 10,000 को प्राप्त नहीं किया जा सकता ।

आढ़ती 8% सामान्य कमीशन और 5% प्रत्यायक कमीशन का हकदार है ।

आढ़तिये की पुस्तकों में कमीशन की आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ पारित कीजिए ।

2. अजय और विजय संयुक्त साहस में 3 : 4 के अनुपात में लाभ-हानि साझा करने के लिए शामिल हुए । उन्होंने क्रमशः ₹ 1,86,000 और ₹ 97,000 संयुक्त बैंक खाते में जमा किए । **10**

उन्होंने खरीद और विक्रय के लिए संयुक्त बैंक खाते के उपयोग का निर्णय लिया, जबकि संयुक्त साहस के खर्चे प्रत्येक भागीदार अपने व्यक्तिगत कोष से देंगे । विजय साहस के कुल विक्रय के 3% कमीशन का हकदार है ।

उनके लेनदेन निम्न हैं :

(1) अजय ने ₹ 1,72,800 की स्ट्रॉबेरी खरीदी । विजय ने ₹ 97,200 का इलायची केला खरीदा ।

(2) अजय ने निम्न खर्चे किए :

गाड़ी भाड़ा – ₹ 5,900

चुंगी – ₹ 8,100

प्रशासनिक खर्च – ₹ 5,400

(3) विजय ने निम्न खर्चे किए :

मजदूरी – ₹ 9,900

बीमा – ₹ 1,100

सेल्समैन का वेतन – ₹ 8,900

(4) अजय ने 10% छोड़कर ₹ 44,380 लाभ जोड़कर स्ट्रॉबेरी बेच दी जबकि बची हुई स्ट्रॉबेरी खराब थी जिसे ठीक से नष्ट कर दिया गया ।

(5) विजय ने 90% इलाइची केला 35% लाभ जोड़कर बेच दिया । जबकि बाकी बचा इलाइची केला विजय ने लागत मूल्य पर खरीद लिया ।

उपरोक्त विवरण से तैयार कीजिए :

(i) संयुक्त साहस खाता

(ii) भागीदारों का पूँजी खाता

(iii) संयुक्त बैंक खाता

अथवा

2. (A) संयुक्त साहस और आढ़त माल के मध्य अंतर समझाइए । **5**

(B) सीता और गीता एक संयुक्त साहस में क्रमशः 3 : 2 के लाभ–हानि पर भागीदार हैं । सीता ने संयुक्त साहस के लिए ₹ 81,000 के माल की आपूर्ति की और ₹ 1,620 माल आपूर्ति के लिए भाड़ा दिया । गीता ने सारा माल ₹ 1,08,180 में बेचा । गीता ने सीता के भाग की राशि चुकता की और खाता समाप्त किया । **5**

गीता की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ लिखिए ।

3. सूरत के हसमुख स्टोर की वड़ोदरा में शाखा है । H.O. ने लागत मूल्य पर शाखा को माल भेजा । शाखा माल उधार एवं नकद बेचती है और पूरा नकद H.O. को बैंकड्राफ्ट द्वारा उसी दिन भेज देती है । H.O. शाखा के सभी खर्चे वहन करती है तथा फुटकर खर्चों के लिए माह के शुरुआत में ₹ 300 पेट्टी कैश के रूप में भेजती है । H.O. की पुस्तकों से 31-3-2024 को समाप्त होते वर्ष के वड़ोदरा शाखा से संबंधित विवरण निम्न हैं : **10**

विवरण	**01-04-2023 (₹)**	**31-03-2024 (₹)**
स्टॉक	15,000	60,000
देनदार	90,000	1,20,000
पेट्टी कैश	900	1,500
फर्नीचर	?	40,500
पूर्वदत्त बीमा	600	450
अदत्त वेतन	1,050	900

वर्ष दौरान लेनदेन :

शाखा को खर्च के लिए भेजा गया नकद		**(₹)**
मजदूरी	–	1,200
किराया	–	6,000
वेतन	–	9,000
बीमा	–	4,500
विज्ञापन	–	1,800
नकद विक्रय	–	45,000
शाखा को भेजा सामान	–	2,25,000
शाखा द्वारा लौटाया गया सामान	–	22,500
देनदारों द्वारा लौटाया गया सामान	–	6,300
देनदारों से प्राप्त नकद	–	1,50,000
डूबत ऋण प्राप्त	–	1,500
डूबत ऋण	–	450

फर्नीचर पर 10% मूल्यह्रास लगाया गया ।

H.O. की पुस्तकों में तैयार कीजिए :

(1) शाखा खाता

(2) शाखा का व्यापार खाता और लाभ एवं हानि खाता

(3) पेट्टी कैश खाता

(4) देनदार खाता

अथवा

3. D ट्रेडर्स, अहमदाबाद की सूरत में एक स्वतंत्र शाखा है । 31-3-2024 को शाखा का तुलन-पत्र निम्न है : **10**

विवरण	उधार (₹)	जमा (₹)
माल का आरंभिक स्टॉक	35,000	–
H.O. से प्राप्त माल	1,05,000	–
H.O. को लौटाया माल	–	14,000
हेड ऑफिस खाता	–	1,05,000
खरीद एवं विक्रय	1,05,000	2,52,000
माल वापस	14,000	7,000
भाड़ा एवं चुंगी	7,000	–
वेतन (28-2-2024 तक)	15,400	–
मजदूरी	5,600	–
लेनदार एवं देनदार	63,000	31,500
10% सरकारी प्रतिभूतियाँ (1-10-2023)		
(दार्शनिक कीमत ₹ 70,000)	56,000	–
नकद एवं बैंक	14,000	10,500
कुल	**4,20,000**	**4,20,000**

अतिरिक्त जानकारी :

(1) माल का अंतिम स्टॉक ₹ 42,000 का है ।

(2) 1-10-2023 को H.O. ने शाखा को ₹ 50,000 का फर्नीचर भेजा जिसका खाता H.O. की पुस्तकों में रखा जाता है । फर्नीचर पर 10% वार्षिक मूल्यह्रास लगाया जाता है ।

(3) 28 मार्च, 2024 को सूरत शाखा द्वारा ₹ 25,000 H.O. को भेजा गया जो H.O. द्वारा 2 अप्रैल, 2024 को प्राप्त किया गया ।

उपरोक्त विवरण से सूरत शाखा का अंतिम खाता एवं हेड ऑफिस खाता तैयार कीजिए ।

4. मनीष ने बाबू ऑटो, पाटण से भाड़ा क्रय पद्धति पर 1-1-2024 को एक्टिवा खरीदी । एक्टिवा की नकद कीमत ₹ 40,000 थी । **10**

भुगतान निम्न प्रकार से करना था :

		(₹)
1-1-2024 को	–	6,000
31-12-2024 को	–	11,000
31-12-2025 को	–	11,000
31-12-2026 को	–	11,000
31-12-2027 को	–	11,000

घटती शेष पद्धति से मूल्यह्रास 10% प्रति वर्ष की दर से लगाना है ।

मनीष की पुस्तकों में आवश्यक लेजर खाते बनाइए ।

अथवा

4. (A) भाड़ा क्रय पद्धति द्वारा माल के खरीद एवं विक्रय का हिसाब लिखते समय किन प्रमुख बिंदुओं का ध्यान रखना चाहिए ? **5**

(B) निम्न सूचनाओं से मशीनरी की नकद कीमत की गणना कीजिए : **5**

संविदा के समय भुगतान ₹ 2,800,

चार वार्षिक किश्तें क्रमशः ₹ 3,120, ₹ 2,480, ₹ 1,880 और ₹ 1,320 चुकाई ब्याज की दर 10% प्रति वर्ष

5. बहुविकल्पीय प्रश्न : (कोई **दस**) **10**

(1) आढ़त माल खाते में, असामान्य हानि उधार की जाती है

(a) आढ़तिया खाता (b) आढ़त माल खाता

(c) लाभ एवं हानि खाता (d) माल मालिक खाता

(2) प्रत्यायक कमीशन की गणना इस पर की जाती है –

(a) कुल विक्रय पर (b) कुल भेजे माल पर

(c) केवल उधार विक्रय पर (d) केवल नकद विक्रय पर

(3) आढ़त माल व्यवसाय में ₹ 35,000 की असामान्य हानि हुई । बीमा कंपनी ने 40% का दावा स्वीकार किया । कितनी राशि आढ़त माल खाते में जमा की जाएगी ?

(a) ₹ 14,000 (b) ₹ 17,500

(c) ₹ 35,000 (d) ₹ 21,000

(4) 'A' और 'B' संयुक्त साहस में शामिल हुए । 'B' ने 'A' को ₹ 45,000 नकद दिए । 'B' की पुस्तकों में यह व्यवहार किस खाते में दर्ज किया जाएगा ?

(a) कोई प्रविष्टि नहीं (b) 'A' के खाते में

(c) संयुक्त साहस खाता में (d) व्यय खाता में

(5) निम्न क्रिया संयुक्त साहस व्यापार के लिए उचित है :

(a) कपड़ा दुकान (b) नदी पर पुल का निर्माण

(c) ACC सीमेण्ट एजेन्सी (d) मेडिकल स्टोर

(6) इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के विक्रय के संयुक्त साहस में, यदि एक वस्तु किसी ग्राहक को उपहार दी जाती है, तो इस खाते को उधार किया जाएगा :

(a) संयुक्त साहस खाता (b) कोई खाता नहीं

(c) असामान्य हानि खाता (d) लाभ एवं हानि खाता

(7) स्वतंत्र शाखा की तुलना में आश्रित शाखा में सत्ता का विकेन्द्रीकरण होता है –

(a) कम (b) समान

(c) अधिक (d) इनमें से कोई नहीं

(8) हेड ऑफिस द्वारा शाखा को मूल कीमत पर 25% लाभ जोड़कर बीजक कीमत पर माल भेजा जाता है, तो लाभ बीजक कीमत का _____ होगा ।

(a) 20% (b) 25%

(c) 30% (d) 40%

(9) शाखा का आरंभिक स्टॉक ₹ 50,000 है, विक्रय किए माल की लागत ₹ 2,50,000 है और अंतिम स्टॉक ₹ 75,000 है । हेड–ऑफिस से प्राप्त किए माल की राशि ज्ञात कीजिए ।

(a) ₹ 2,75,000 (b) ₹ 3,25,000

(c) ₹ 2,25,000 (d) ₹ 3,75,000

(10) सम्पत्ति का नकद मूल्य + ब्याज = _____ कीमत

(a) मूल्यह्रास पश्चात् (b) खरीद

(c) बाज़ार (d) संविदा

(11) भाड़ा क्रय पद्धति के अनुसार, ₹ 25,000 डाउन पेमेन्ट है और ब्याज सहित तीन बराबर किश्तों की कुल राशि ₹ 90,000 है, जिसमें ब्याज के ₹ 15,000 शामिल है सम्पत्ति की नकद कीमत क्या होगी ?

(a) ₹ 90,000 (b) ₹ 1,30,000

(c) ₹ 1,15,000 (d) ₹ 1,00,000

(12) कुल देय राशि और नकद मूल्य के मध्य अंतर है –

(a) मूल्यह्रास (b) डाउन पेमेन्ट

(c) खरीद मूल्य (d) ब्याज